उपद्रव में उभरता कवित्व

डॉ. विष्णु भगवान
शिखा गोयल

34033

Scanned by TapScanner

अनुक्रमणिका

1.	मरीचिका	1
2.	बाबुल	3
3.	जीवन–यात्रा	6
4.	रोटी : एक विडम्बना	9
5.	दीदार मंज़िल का	11
6.	इरादा चाँद को छूने का	13
7.	ये कैसा बदलाव है ?	15
8.	मेरे पापा	17
9.	तिल–तिल पिंघलती ज़िन्दगी	19
10.	कैसे रहेगा जीवन सुरक्षित ?	21
11.	बदलता परिवेश	23
12.	प्रेम के फूल फैलाएंगे सदभावना	25
13.	पनपना नई मिट्टी में	26
14.	मेरे प्रियतम	28
15.	रक्षक जब हो जाए भक्षक	30
16.	ये कैसी सभ्यता ?	31
17.	कुछ अनुत्तरित प्रश्न	32
18.	मैं उन्मादी	33
19.	कैसे यकीं करें?	35
20.	थप्पड़	36

Scanned by TapScanner

21.	अतीत के झरोखों से	38
22.	अहसास–ए–बचपन	41
23.	अस्तित्व	43
24.	आखरी लौ भी बुझ गई...	44
25.	मेरे दोस्त	45
26.	साहित्यिक शोषण	47
27.	संकरे रास्तों में उलझती रेशमी राहें	49
28.	कुछ बातें	51
29.	आगाज–ए–दोस्ती	52
30.	नासूर	54
31.	नारी	55
32.	महिला सशक्तिकरण	57
33.	आओं थामें नफरतों की आँधियां	59
34.	जीवन–दर्शन	61
35.	मुकाम	63
36.	मेरा देश महान ???	65
37.	कविता	67
38.	प्यार तो होना ही था	69
39.	सफलता के आयाम	70
40.	हँसी का मरहम	72
41.	विस्मित जीवन	74
42.	हुनर ज़िन्दगी का	76
43.	कटु सच्चाईयाँ	77
44.	एक पल की खुशी	78
45.	करिश्मा दृढ़ निश्चय का	80

Scanned by TapScanner

46.	राजनैतिक गुत्थियाँ	82
47.	संवेदनाओं का जादू	84
48.	माँ का आँगन	86
49.	जीवन एक संघर्ष	88
50.	कोशिशें तो होनी ही चाहिए	90
51.	बढ़ते ही जा रहे हैं फासले	91
52.	आत्मीयता के फूल	92
53.	ये रहेगी सदाबहार	93
54.	वो दो जोड़ी आँखें	96
55.	कैसे मनाएँ कोई पर्व	98
56.	कुछ अपेक्षाएँ युवाओं से	100
57.	संकुचित होता आकाश	101
58.	दर्द–ए–जुदाई	102
59.	इन्द्रजाल	103
60.	प्यार का विज्ञान	104
61.	मजबूरियों का लबादा	106
62.	कलेजे का टुकड़ा	107
63.	किंकर्तव्यविमूढ़ता	108
64.	आज हमें मालूम हुआ	110
65.	अपनों के आँसू	112
66.	कैसे हो सारा जहाँ अपना	113
67.	मुखौटा	115
68.	अहसास–रिक्त	117

Scanned by TapScanner